

## Press Note

### **WALK A MILE FOR TIBET**

When the Galwan Valley massacre struck India last June, most Indians couldn't even locate this place on the map, much less understand why Chinese PLA soldiers killed our jawans. How did they come to Indian borders in the first place?

I am starting a march to Delhi from Dharamshala in two days. The main aim is to bring India's focus on Tibet, the missing link in the India-China crisis. Our Indian brothers and sisters need to understand the reasons for China's constant threat to India.

China is creating border disputes not only with India, but also 14 of its other neighbouring countries. China's imperialist designs not only aim to expand its land and sea territories, and Xi Jinping has proved to all that the real aim of the People's Republic of China is to strategically become the global super power.

The March to Delhi will begin on the Tibetan New Year Losar, on 12 February 2021, and conclude in Delhi on March 10, Tibetan National Uprising Day. It's a one-man march with two supporters for logistics and public communication.

The distance is 500 kilometres and I plan to cover this in one month, camping every night on the roadside in night shelters. From Dharamshala I will walk through the Kangra valley and enter the plains of Punjab from Una. I will pay my respects at the Shri Anandpur Sahib Gurudwara and head to Mohali, Panchukula and Chandigarh. From there I will head towards Delhi by via Karnal, Ambala and Sonapat.

Despite India's adherence to One-China policy, China does not reciprocate to this policy. Instead Beijing continues to stake claim to the entire state of Arunachal Pradesh, parts of Ladakh, Himachal, Uttarakhand, and Sikkim, and has dragged India to the UN on Kashmir.

During the course of this one month journey, I will petition the Government of India to repeal its One-China policy and ask everybody on the road and online to sign this in mass scale. If China does not respect One-India Policy, why is India condemned to this old defunct principle?

I will lead a global campaign petitioning different head of states to repeal their One-China Policy, and recognize Tibet, East Turkestan, and Southern Mongolia as occupied countries, as well as support Hong Kong's struggle for democracy and the independence of Taiwan. Individuals and organizations can support the campaign by writing articles, poetry, letters, organising webinars, lectures; sing, dance and make arts, films, cartoons, slogans; vlog and blog, speak to the media, post awareness materials on social networks, and help share and forward infomedia.

Walk a mile for Tibet. Join me for a mile, for an hour.

#WalkaMileforTibet  
#RepealOneChinaPolicy  
#StopAppeasingPRC

**March Flag Off: 10am, Friday, 12 Feb 2021, McLeod Main Square, Dharamshala, Himachal Pradesh.**

Jai Bharat! Jai Tibbat!  
Tenzin Tsundue  
Tibetan writer and activist

Phone: 9418079832 Email: [tsundue@gmail.com](mailto:tsundue@gmail.com)  
Follow the march on facebook live, insta and twitter

## तिब्बत के लिए एक मील चलें

एक व्यक्ति द्वारा धर्मशाला से दिल्ली तक पैदल मार्च

जब पिछले साल जून के महीने में गलवान घाटी संहार घटा था, देश के अधिकाँश नागरिक इस स्थान को भारत के नक्शे पर ढूँढ ही नहीं सके. इसके अलावा वे यह भी नहीं समझ सके कि चीनी पीएलए के सिपाहियों ने हमारे जवानों की हत्या क्यों की. और सबसे पहली बात यह कि वे भारतीय सीमा तक घुसे कैसे?

बहुत शीघ्र मैं धर्मशाला से दिल्ली तक का पैदल मार्च शुरू कर रहा हूँ. इसका मुख्य उद्देश्य है तिब्बत के विषय पर भारत का ध्यान खींचना, जो कि भारत-चीन संकट की गुम हो चुकी महत्वपूर्ण कड़ी है. हमारे भारतीय भाई-बहनों को उन कारणों को जानने की जरूरत है जिनकी वजह से चीन भारत को लगातार धमकियाँ देता रहा है. यह मार्च तिब्बती नववर्ष लोसर के दिन यानी 12 फरवरी 2021 को शुरू होगा और तिब्बती राष्ट्रीय क्रान्ति दिवस यानी 10 मार्च 2021 को दिल्ली में समाप्त होगा.

यह एक व्यक्ति द्वारा किया जाने वाला मार्च होगा जिसमें जरूरी व्यवस्थाओं और जनसंपर्क के लिए दो अन्य समर्थक साथी साथ रहेंगे.

मेरी योजना है कि मैं 500 किलोमीटर की इस दूरी को एक महीने में पूरा करूँ. मैं हर रात सड़क किनारे रैनबसेरों में गुजारूँगा. मैं धर्मशाला से कांगड़ा घाटी से होता हुआ ऊना के रास्ते पंजाब के मैदानों में प्रवेश करूँगा. श्री आनंदपुर साहिब में शीश नवाने के बाद मैं मोहाली, पंचकूला और चंडीगढ़ पहुँचूँगा जहाँ से मेरा मार्च करनाल, अम्बाला और सोनीपत होते हुए दिल्ली पहुंचेगा.

इस एक माह की यात्रा के दौरान मैं सड़क पर चल रहे लोगों से एक याचिका पर हस्ताक्षर करने का आग्रह करूँगा जिसमें भारत सरकार से उसकी वर्तमान भारत-चीन नीति को निरस्त करने का आग्रह किया जाएगा. यह कार्य ऑनलाइन भी किया जाएगा. जहाँ एक तरफ भारत लगातार एक-चीन नीति के साथ खड़ा रहा है, चीन भारत को उस तरह नहीं देखता. चीन ने समूचे अरुणांचल प्रदेश के अलावा लद्दाख, हिमांचल, उत्तराखंड और सिक्किम के हिस्सों पर अपना दावा ठोक रखा है और कश्मीर मामले में भारत को संयुक्त राष्ट्र तक ले कर गया है. हमें अपने आप से सवाल करना है कि यदि चीन एक-भारत की नीति का सम्मान नहीं करता तो भारत ने एक-चीन नीति का समर्थन क्यों करना चाहिए?

मैं एक वैश्विक अभियान शुरू करने जा रहा हूँ जिसके अंतर्गत सभी राष्ट्राध्यक्षों से एक-चीन नीति को निरस्त करने, तिब्बत, पूर्वी तुर्किस्तान और दक्षिणी मंगोलिया को चीन द्वारा कब्जाए गए देशों की तरह मान्यता देने, हांगकांग में लोकतंत्र का समर्थन करने और ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने का आग्रह किया जाएगा.

इस अभियान को समर्थन देने की इच्छा रखने वाले लोग तिब्बत के विषय पर लेख, कविताएं और चिट्ठियाँ लिख सकते हैं, वेबिनारों का आयोजन कर सकते हैं; गीत, नृत्य, कार्टून, स्लोगन इत्यादि का निर्माण कर सकते हैं; वीलॉग और ब्लॉग कर सकते हैं, मीडिया से बात कर सकते हैं, सोशल मीडिया पर तिब्बत संबंधी चेतना विषयक पोस्ट लगा सकते हैं और इस आशय की सूचनाओं को मीडिया में शेयर और फॉरवर्ड कर सकते हैं.

#तिब्बत\_के\_लिए\_एक\_मील #WalkaMileforTibet

#वन\_चाइना\_पालिसी\_निरस्त\_हो #RepealOneChinaPolicy

#PRC\_को\_खुश\_करना\_बंद\_करो #StopAppeasingPRC

तिब्बत के लिए एक मील चलें. छोटी-छोटी दूरियों तक मार्च के साथ चलें.

**मार्च फ्लैगऑफ:** शुक्रवार, 12 फरवरी 2021, 10 बजे सुबह, मैकलॉडगंज मेन स्क्वायर, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश.

जय भारत! जय तिब्बत!

-तेनजिन सूनू

तिब्बती लेखक और कार्यकर्ता

फोन: 941807932

ईमेल: tsundue@gmail.com

इस मार्च को फेसबुक, इन्स्टाग्राम और ट्विटर पर फॉलो करें.

